

# EMBASSY OF INDIA LUANDA

## BOOK LAUNCH EVENT IN LUANDA HINDI TRANSLATION OF BOOK/COMPILATION OF POETIC WORKS OF DR. AUGUSTINHO NETO, FORMER PRESIDENT OF ANGOLA, (1975-79)

7 November 2019

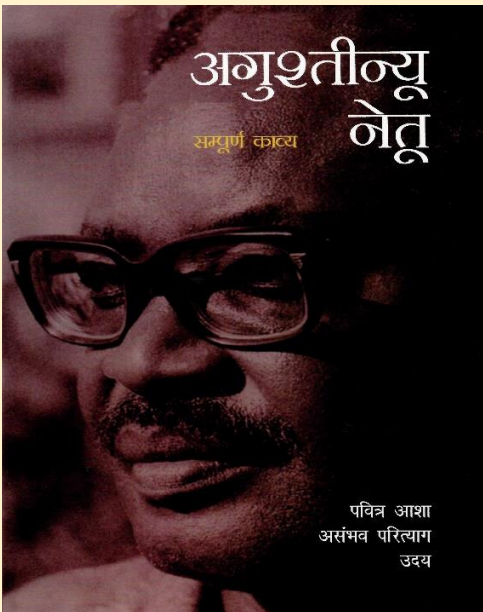
The Indian Embassy, along with members of the Indian Community and Angola-India Chamber of Industry, participated in a book launch event on 7 November 2019 at the Dr. Augustino Neto Memorial in Luanda - organised by Angola-based Foundation (FAAN) as part of the celebrations of the 44th anniversary of Angola's independence.

The book released at the event is a Hindi publication comprising Hindi translation of the complete poetic works of Dr Augustinho Neto, who had led the armed struggle for Angola's liberation from Portuguese colonial rule and eventually took over as the country's first President in Nov 1975.

The book release event was graced by Dr. Neto's widow - Dr. Maria Eugenia Neto, Chairwoman of the Foundation Augustino Neto (FAAN) and daughter - Dr. Irene Alexandra Neto, as well as several dignitaries from the government, academia and cultural organisations.

In his address to the gathering, Ambassador Srikumar Menon described Neto as a great cultural icon, intellectual, freedom fighter and hero of Angola. Referring to the Poetry compilation Book, Ambassador said that Dr. Neto's poems highlighted the harsh realities of life in pre-independence Angola - reflecting the pathos, frustrations and aspirations of the large majority of Angolan people, who were striving for freedom and justice during colonial rule.

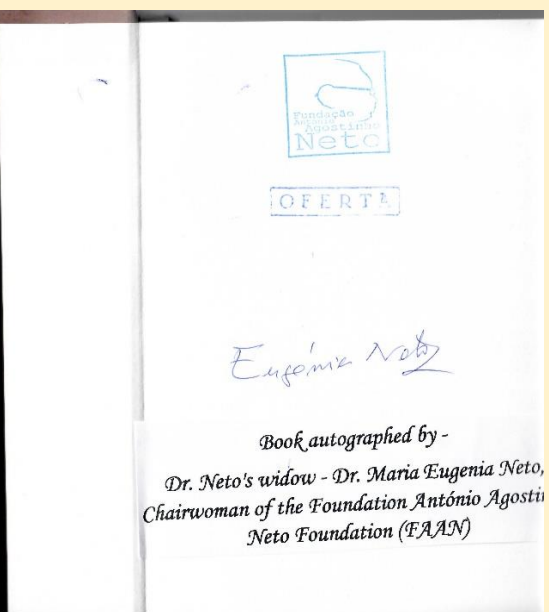
He also acknowledged and appreciated the initiative and hard work put in by the Angolan Ambassador to India - Mr. Manuel Eduardo Bravo in organising the translation of the book through the joint efforts of Ms. Manjulata Sharma, Mr. Anil Samarth, Ms. Marga Holness and Ms. Roopanjali Roy. Extracts of Poems from the Book were read out in Hindi by Mr. Anup Gulati. - member of the Indian Community.



डॉ. अगुशीन्यू नेतू का जन्म लुअंडा के इगोलो ई कैरो नगर के अग्रिम, कैम्बोडियन ने ११ दिसंबर १९२२ में हुआ था। उन्होंने फ्रेंकफर्ट ऑफ मेडिसिन से विधिशास्त्र विभाग में स्नातक की डिग्री कसता ही फ्रेंकफर्ट की इन्वैरसिटी (९ सप्टेम्बर १९४६) में डॉ. राजनीतिक और सामूहिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। उन्होंने जर्मनी और फ्रान्स जैसे प्रसक्तियों में सम्मेलन दिए। दुर्भाग्यवश वेरिडि की अल्पकालिक के साथ मिल कर सोवियत प्रतिकार की स्थापना सेवन में, १९४७ में स्वतंत्रता दिवस आदि सम्मेलन के लिए लोगों द्वारा एकन करते हुए उन्हें मारपीत और शिविरों में विषय सज और अन्य मौकों पर अलग-अलग मर्यादों के कारण उन्हें जेल में रखा गया।

नेतू ने १९६९ में लुआंडा समरा जाए और विधिवत् सेवा करते हुए -अलग-अलग बतों को एक कर परिपूरक मूखीय फोर ड लिबेरेशन कमीशन (एगुशीन्यू) का गठन किया। उन्हें राष्ट्रपति चुना गया, २६ फरवरी १९७५ में शिविरों में लिए जाने पर वे राष्ट्रपति का पदभार संभार गए। उन्हें कारागार से छेड़ देई आइतवार भेज दिया गया वे संभव एक बाद रहे, जिसके बाद उन्हें मृत्यु और कर मुर्गाज में कारागार में डल दिया गया। छः महीने बाद, अंतर्राष्ट्रीय प्रयास की से, उन्हें स्वतंत्र विहाई की मर्द शिविरों बाद १९७२ में वे अपने परिवार के सुगमत्व से बाहर निकल गए।

नेतू ने एक बार फिर जीवित-अदिल्ले (कमी) में सभी सार एकर के राष्ट्रपति दूने गए और उन्होंने अंगोला में राष्ट्रीय स्वतंत्रता की का नेतृत्व किया जिसके परिणामस्वरूप पुर्तगाली तानाशाह की मृत्यु पर ११ नवंबर, १९७५ को अंगोला को आजादी मिल गई। उन्हें भीपुत्र एक और अंगोला का राष्ट्रपति घोषित कर दिया गया और १९७९ मरी मृत्यु तक वे अंगोला की सत्ता की दृष्टियों की नेतृत्वों से रहा । वे और लोकप्रिय तथा के बाद पर संस्थानों का निर्माण करते हुए ने राष्ट्र को पुनर्स्थापना का महत्वाकांक्षी कार्य किया। उन्होंने परम्परागत एक राष्ट्रीयक दल में शामिल कर दिया और नई क्षेत्रीय मौखिक-मौखिक व्यवस्था आगम करते में निर्णायक भूमिका निभाई। अंतर में वे हुए उन्होंने १० सितंबर, १९७९ को मौकों में दल तोड़ दिया।



# अगुशतीनू नेतू

सडुडूरुण कलूडु

डडुवर आशा  
असंभड डरलतुडडग  
उदड









